कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० पी० मौर्य): (क) से (घ). भारत सरकार ने वनस्पति के अन्तर्राज्यीय संचलन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगा रखा है और यह मालूम नहीं है कि क्या 30 लाख रुपये के मूल्य का वनस्पति घी राजस्थान में इकट्ठा हो गया है, यदि हां, तो किन परिस्थितियों में इकट्ठा हुआ है राज्य सरकार को इस सम्बन्ध में लिखा गया है और उनका उत्तर प्राप्त होने पर सभा के पटल पर एक विवरण रखा जाएगा।

भेड़-पालन तथा चुकन्दर की खेती के लिए रूसी प्रतिनिधि मंडल का दौरा

3416. **श्री चन्दू लाल चन्द्राकर**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भेड़-पालन और चुकन्दर की खेती के विषय में परामर्श देने के लिये एक रूसी प्रतिनिधिमंडल भारत आया है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रतिनिधिमंडल के कितने सदस्य हैं; और

(ग) उन्होंने इसके विकास के लिये जो परामर्श किया है उसका सार क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब पी० शिन्दे): (क) और (ख). जी हां। रूस की विदेशी आर्थिक संबंधों की राज्य समिति के एक प्रतिनिधि के साथ छह रूसी विशेषज्ञों का एक प्रतिनिधिमंडल सरकार के साथ भेड़ पालन, बकरी पालन और चुकन्दर की खेती के लिये परियोजनाओं की स्थापना के संबंध में सहयोग की संभावनाओं पर विचार विमर्श करने के लिये 11 मार्च, 1974 को भारत पहुंचा था।

(ग) यह प्रतिनिधिमंडल कई स्थानों का दौरा कर रहा है और लगभग तीन सप्ताह तक यहां रहेगा। अभी इसने कोई सलाह या सुझाव नहीं दिए हैं।

किसानों को प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करने के लिये सहायता देने सम्बन्धी योजना

3417. **श्री चन्दूलाल चन्द्राकर**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बढ़ते हुए मूल्यों तथा दुर्लभता की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, सरकार द्वारा किसानों को आग तथा फसलों से होने वाली क्षति जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करने के लिये सहायता देने के लिये बनाई जा रही योजना की मुख्य बातें क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे): किसी भी प्रकार की प्राकृतिक विपत्ति आने पर किसानों को राहत देने की व्यवस्था करना मुख्य रूप से राज्यों का उत्तरदायित्व है। भारत सरकार प्राकृतिक विपत्तियों से प्रभावित किसानों को सीधे कोई सहायता नहीं देती।

Return of price of RS-09 Tractors

3418. SHRI K. S. CHAVDA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether surrender value of East German tractors was very low, not equal even to 50 per cent of the price paid by the farmers; and

(b) if so, how many States have returned entire price paid by farmers and the losses and depreciation borne by the Agro-industrial Corporation of the respective States?